महासागरीय नितल का उच्चावच
(Relief of the Ocean Floor)

जिस प्रकार स्थलीय भाग पर पर्वत, पठार व मैदान आदि पाए जाते हैं उसी प्रकार महासागरीय नितल पर भी विभिन्न प्रकार की आकृतियां पाई जाती हैं।

महासागरों के तल का विन्यास तथा उच्चावच के लक्षणों का सचित्र वर्णन पी. लेक (P.Lake) ने अपनी पुस्तक Physical Geogrophy में किया है। लेक महोदय ने इस कार्य के लिए उच्चतादर्शक वक्र रेखा डो। (Hypsographic Curve) का प्रयोग किया। इस वर्क द्वारा यह दर्शाया गया है कि जल के नीचे भू-पृष्ट की रचना कहां पर कितनी ऊंची-नीची न है और विभिन्न ऊंचाइयों तथा गहराइयों का विस्तार कितना है।

महासागरीय नितल की गहराई के अनुसार मुख्य रूप से निम्नलिखित चार भाग होते हैं:

1. **महाद्वीपीय मग्नतट** (Continental Shelf)
2. **महाद्वीपीय मग्न** (Continental Slope)
3. **गम्भीर सागरीय मैदान** (Deep Sea)
4. **महासागरीय गर्त** (Ocean Deeps)

1. **महाद्वीपीय मग्नतट** (Continental Shelf):

महाद्वीपों के चारों ओर फैले हुए उथले समुद्री भाग को महाद्वीपीय मग्नतट कहते हैं। मग्नतट का अर्थ डूबे हुए तट से है। अतः महाद्वीपों के वे भाग जो समुद्र में डूबे हुए हैं महाद्वीपीय मग्नतट कहलाते हैं। सामान्यतः इसकी अधिकतम गहराई 180 मीटर अथवा 100 फैदम अथवा 600 फुट होती है, लेकिन इसकी गहराई 65 से 300 फैदम तक भी हो सकती है। इसकी सामान्य ढलान 1° होती है परन्तु तट की बनावट के अनुसार यह न्यून अथवा अधिक हो जाती है। हिमनद क्षेत्रों में इसका ढाल मंद होता है जबकि विवर्तनिक तनाव (Tectonic Tension) वाले क्षेत्रों में यह ढाल तीव्र होता है। जिन भागों में तट के साथ तीव्र ढाल वाले पर्वतीय क्षेत्र होते है यहाँ पर भी मग्नतट का ढाल तीव्र होता है। रॉकीज तथा एंडीज पर्वतों के कारण उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका के पूर्वी तट की अपेक्षा पश्चिमी तट पर ढाल तीव्र है।

जिन भागों में तट के साथ तीव्र ढाल वाले पर्वतीय क्षेत्र होते हैं यहाँ पर भी मग्नतट का ढाल तीव्र होता है। रॉकीज तथा एंडीज पर्वतों के कारण उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका के पूर्वी तट की अपेक्षा पश्चिमी तट पर ढाल तीव्र है। इसके विस्तार के सम्बंध में विभिन्न विद्वानों ने विभिन्न विचार व्यक्त किए हैं। अधिकांश विद्वानों का मत है कि महाद्वीपीय मग्नतट सम्पूर्ण सागरीय विस्तार के 8% क्षेत्र में फैला हुआ है। अटलांटिक महासागर में इसका विस्तार सर्वाधिक है। महाद्वीपीय मग्नतट अटलांटिक महासागर के 13.3% भाग फैला हुआ है जबकि प्रशांत महासागर के 5.7% तथा हिंद महासागर के 4. 2% भाग पर ही इसका विस्तार है।

इसकी चौड़ाई तटीय भूमि की ढाल पर निर्भर करती है। कम ढाल वाला मग्नतट अधिक चौड़ा होता है जबकि अधिक ढाल वाला मग्नतट कम चौडा होता है। आयरलैंड के पश्चिमी तट के समीप मग्नतट 80 कि.मी. चौड़ा है। उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट पर मग्नतट की चौडाई 100 से 125 कि.मी. है। साइबेरिया के तट के साथ मग्नतट की अधिकतम चौड़ाई 1287 कि.मी. है। अलास्का के तट के साथ भी मग्नतट की चौड़ाई काफी अधिक है। संसार के अधिकांश मग्नतट 50° से 85° उत्तरी अक्षांशों के बीच स्थित हैं। महाद्वीपीय मग्नतट पर बहुत विविधता पाई जाती है।

यदि कहीं पर यह सपाट मैदान है तो किसी अन्य भाग में इस पर टीले, नदी घाटियाँ व अंतः सागरीय खड्ड मिलते हैं। सिंधु तथा कांगो नदियों के मुहानों के समीप इन खड्डों का पता चला है।